औद्यानिकी एवं औषधीय पौधों की खेती पर दो–दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय में कृषि महाविद्यालय के कृषि संचार विभाग द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से वित्तपोषित जनजातीय उप योजना के अंतर्गत 'औद्यानिकी एवं औषधीय पौधों की खेती को आजीविका संवर्धन हेतु प्रोत्साहन' विषय पर दो–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में विकासखंड गदरपुर के ग्राम कुल्हा की अनुसूचित जनजाति की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम में निदेशक संचार डा. जय प्रकाश जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. ए.एस. जीना, प्रभारी समेटी डा. बी.डी. सिंह तथा प्रोफेसर डा. निर्मला भट्ट उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन जनजातीय उप योजना की प्रधान अन्वेषक डा. अर्पिता शर्मा कंडपाल के निर्देशन में किया गया।

अपने संबोधन में डा. जय प्रकाश जायसवाल ने कहा कि औद्यानिकी एवं औषधीय फसलों की खेती ग्रामीण क्षेत्रों में आय वृद्धि और स्वरोजगार का प्रभावी माध्यम बन सकती है। डा. ए.एस. जीना ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को सामाजिक परिवर्तन की आधारशिला बताते हुए आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया। डा. बी.डी. सिंह ने बाजार उन्मुख उत्पादन एवं वैज्ञानिक खेती की आवश्यकता पर बल दिया। डा. निर्मला भट्ट ने औषधीय पौधों की उपयोगिता, मूल्य संवर्धन एवं विपणन संभावनाओं की विस्तृत जानकारी दी। वहीं डा. अर्पिता शर्मा काण्डपाल ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य जनजातीय महिलाओं को तकनीकी ज्ञान एवं व्यावहारिक कौशल प्रदान कर उनकी आय में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित करना है।

प्रशिक्षण के दौरान सैद्धांतिक व्याख्यानों के साथ व्यावहारिक प्रदर्शन भी आयोजित किए गए, जिनमें नर्सरी प्रबंधन, पौधारोपण, जैविक खेती, कीट एवं रोग नियंत्रण तथा कटाई उपरांत प्रबंधन से संबंधित जानकारी प्रदान की गई एवं उपयोगी सामग्री का वितरण परियोजना मद से किया गया। समापन अवसर पर प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे उन्हें नई तकनीकी जानकारी एवं आत्मविश्वास प्राप्त हुआ है। अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र वितरित किए गए। यह कार्यक्रम जनजातीय महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।